

Inhalt

Seite

| | |
|--|--------------|
| Auf der Lüneburger Heide..... | 15 |
| Bläserzeichen für den Kirchentag..... | 36 |
| Er weckt mich alle Morgen (EG 452)..... | 6 |
| Fanfare für Jungbläser, Posaunenchor und Pauken ad. lib | |
| • Posaunenchor Hohe Stimmen..... | 38 |
| • Posaunenchor Tiefe Stimmen..... | 40 |
| • Jungbläserchor..... | 68 |
| • Pauken..... | 69 |
| Gloria sei dir gesungen (EG 535)..... | 62 |
| Göttinger Gipfel-Suite..... | 23 |
| Großer Gott, wir loben dich (EG 331)..... | 34 |
| Hildesheimer Rosenwalzer..... | 18 |
| Himmel, Erde Luft und Meer (EG 504) | |
| • Vorspiel und Sätze von Reinhard Gramm..... | 10 |
| • Vorspiel und Sätze von Traugott Fünfgeld..... | 42 |
| Hoffnung..... | 58 |
| Ich singe dir mit Herz und Mund (EG 324)..... | 60 |
| In Ostfreesland is't am besten..... | 4 |
| Lüneburger Polka..... | 14 |
| Maschsee Schützenmarsch..... | 26 |
| Niedersachsenlied..... | 28 |
| Nun lob, mein Seel, den Herren (EG 289)..... | 30 |
| Rosestock, Holderblüh..... | 20 |
| Verleih uns Frieden..... | 60 |
| Weise uns den Weg, Gott, geh mit..... | 46 |
| Welcome..... | 16 |
| Wie mit grimmmgen Unverstand (EG 592) | |
| • Vorspiel und Satz von Werner Petersen..... | 47 |
| • Satz von Fritz Fliedner..... | 49 |
| • Choralfantasie von Mark Waskowiak | |
| Hohe Stimmen..... | 50 |
| Tiefe Stimmen..... | 54 |
| Jungbläserstimmen | 63-73 |
| Er weckt mich alle Morgen..... | 63 |
| Fanfare für Jungbläser, Posaunenchor und Pauken..... | 68 |
| Gloria sei dir gesungen..... | 73 |
| Hildesheimer Rosenwalzer..... | 66 |
| Himmel, Erde, Luft und Meer..... | 70 |
| Hoffnung..... | 72 |
| Ich singe dir mit Herz und Mund..... | 73 |
| In Oostfreesland is't am besten..... | 63 |
| Verleih uns Frieden..... | 73 |
| Welcome..... | 64 |
| Wie mit grimmmgen Unverstand..... | 71 |
| Anhang | 74-79 |
| Go down Moses..... | 76 |
| Meeresrauschen..... | 78 |
| Weißt du, wieviel Sternlein stehen (EG 511) / In Oostfreesland is't am besten..... | 74 |